सांवरियो | By Yuvraj Soni (Yuvi)

भजना से रीझे सांवरियो
सांवरिया रीझा हो सुमति
मैं लाख टका की बात कहूं
सुन फरक ना मानो एक रति

नरसी जी लेकर एकतारो
ठाकुर के आगे भजन करे
पर सेठ सांवरो रुक्मण से
नानीबाई रो भात भरे
जद सवा पहर लक्ष्मी बरसी
कंचन सी चमक उठी धरती

सबरी नित जोड़े बाटन री
मेरे घर आएंगे रघुराई
ढुढत पूछत रघुवर आया
वो घने चाव से फल लाइ
दे चाख चाख झूठा अपना
खाये राम देखरा लखन जची

लेकर विष को प्यालो मीरा
श्री श्याम प्रभु का गुण गावे
प्याले में देखा नन्द लाला
वो मीठो मीठो मुस्कावे
झठ पीकर हो गई मतवारी
पछतावे राणो मोड़मती

कर्मा भर थाली खीचड़ रो
ठाकुर के आगे धर दीनो
रो रोकर बोली तू खा या
मैं खाउंगी यो प्रण लीनो
खा रयो बिहारी खीचड़लो
दावलिया ओ ले जगत्पति

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b-by-yuvraj-soni-yuvi/